D.PHARM • SECOND YEAR

फार्मेसी विधि एवं नैतिकता

अध्याय 1

कानून के सामान्य सिद्धांत एवं औषधि व फार्मेसी व्यवसाय से संबंधित अधिनियम



हिंदी अध्याय नोट्स

DIPLOMA IN PHARMACY

GENERAL PRINCIPLES OF LAW (IN PHARMACY)

LAW: व्यवहार को नियंत्रित करने वाले नियम, जिन्हें State मान्यता देता हैं और लागू करता है।
Pharmacy में कानून medicines और professional practice को नियंत्रित करके जनस्वास्थ्य की रक्षा करता है।

Criminal Law → State के विरुद्ध offences से संबंधित है।
उदाहरण: spurious drugs और गैरकानूनी drug supply।

Civil Law → व्यक्तियों या संस्थाओं के बीच विवादों से संबंधित है।
Negligent dispensing पर compensation का दावा हो सकता है।

Administrative Law → Regulatory powers और निर्णयों को नियंत्रित करता है।
उदाहरण: licensing, inspections और drug authorities या Pharmacy Councils की कार्रवाई।

Constitutional Law → मूल कानूनी ढाँचा, अधिकार और सरकारी शक्तियों का बँटवारा तय करता है।

PHARMACY में उद्देश्य

- Profession को नियंत्रित करना।
- Medicines की safety, efficacy और quality सुनिश्चित करना।
- हानिकारक या substandard drugs से बचाना।
- Professional standards और ethical conduct बनाए रखना।

HISTORY OF PHARMACY LEGISLATION IN INDIA

कानूनों की जरूरत क्यों पड़ी?

असमान standards, बिना योग्यता के dispensing और खराब quality की medicines के कारण मजबूत नियंत्रण जरूरी हुआ।

1940 – Drugs and Cosmetics Act
Drug import, manufacture, distribution और sale को नियंत्रित करने का कानूनी ढाँचा बना।

1945 – Drugs Rules
Act को लागू करने के बिस्तृत नियम बने।

1946 – Bhore Committee Report
Health services में सुधार की महत्वपूर्ण report; यह Independence से पहले प्रकाशित हुई।

1947 – Independence
स्वतंत्र भारत में professional regulation का बिकास जारी रहा।

1948 – Pharmacy Act
Pharmacy Councils, pharmacist education और registration का ढाँचा बना।



याद रखें

- Independence से पहले भी drug legislation मौजूद था। "1947 से पहले कोई formal drug regulation नहीं था" कहना गलत है।
- 1946 की Bhore Report, Independence के बाद की घटना नहीं है।

IMPORTANT ACTS RELATED TO DRUGS AND PHARMACY PROFESSION IN INDIA

Drugs and Cosmetics Act, 1940

मुख्य विषय: Drugs और cosmetics।

- Import, manufacture, distribution और sale को नियंत्रित करता हैं।
- Licences, quality standards और testing के प्रावधान देता है।
- Unsafe, substandard और spurious products की supply रोकने में मदद करता हैं।
- इसमें Ayurvedic, Siddha और Unani drugs के प्रावधान भी शामिम हैं।

Pharmacy Act, 1948

मुख्य विषय: Pharmacy profession।

- Pharmacy Council of India (PCI) और State Pharmacy Councils की स्थापना करता हैं।
- PCI न्यूनतम educational standards तय करता है और courses तथा examinations को approval देता हैं।
- State Pharmacy Councils, pharmacists का registration करते हैं और State registers रखते हैं।
- योग्य और जिम्मेदार pharmacy practice को बढ़ावा देता हैं।

मुख्य अंतर

Drug regulation और pharmacist registration अलग आवश्यकताएँ हैं।
Drug-sale licence, pharmacist registration certificate नहीं हैं।

First Hope

FREE PREVIEW

Click here to visit our website

PHARMACY PREMIUM NOTES

Complete subject and semesters are available on FirstHope app only.

Scan or click here

Click here to get the app >

Available on Google Play

JOIN THE FIRSTHOPE COMMUNITY

Join our Telegram channel

Click here to join Telegram >

Scan or click here

@FirstHopeNotes

Instagram

@firsthope.official

Click here to follow >

YouTube channel

FirstHope-Pharmacy / Live streams

Click here to watch >

WhatsApp channel

Follow FirstHope on WhatsApp

Click here to join >

FirstHope website

firsthope.co.in

Click here to visit >

B.Pharm / D.Pharm / M.Pharm / Pharm.D

Preview notes. Complete subjects and semesters in the FirstHope app.